ज्योति रात्रे माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली भारत की सबसे उम्रदराज महिला बनीं

Why in News?

- मध्य प्रदेश की एक उद्यमी और फिटनेस उत्साही ज्योति रात्रे ने माउंट एवरेस्ट पर विजय प्राप्त करने वाली सबसे उम्रदराज भारतीय महिला बनकर इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर रात्रे की विजयी चढ़ाई ठीक छह साल बाद हुई है, जब संगीता बहल ने 53 साल की उम्र में 19 मई, 2018 को 'माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली भारत की सबसे उम्रदराज महिला' का खिताब हासिल किया था।

अटल निश्चय

- रात्रे के लिए, यह असाधारण उपलब्धि अटूट दृढ़ संकल्प और लचीलेपन की पराकाष्ठा थी। माउंट एवरेस्ट की चोटी तक की उनकी यात्रा चुनौतियों से रहित नहीं थी, क्योंकि उन्होंने पहले 2023 में शिखर पर चढ़ने का प्रयास किया था, लेकिन खराब मौसम की स्थिति के कारण उन्हें 8,160 मीटर की ऊंचाई से वापस लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस झटके से विचलित हुए बिना, रात्रे का संकल्प दृढ़ रहा और वह नए जोश के साथ अपने दूसरे प्रयास में जुट गई।

एवरेस्ट फतह

- प्रसिद्ध बोलिवियाई पर्वतारोही डेविड हयूगो अयाविरी क्रिस्पे के नेतृत्व में 8K अभियानों द्वारा आयोजित 15-सदस्यीय अभियान दल के हिस्से के रूप में रात्रे की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई। उनका सफल शिखर सम्मेलन न केवल भारतीय पर्वतारोहियों की अदम्य भावना की पुष्टि करता है, बल्कि सभी उम्र के व्यक्तियों के लिए अपने सपनों को आगे बढ़ाने और कथित सीमाओं से परे जाने के लिए एक प्रेरणा के रूप में भी काम करता है।

महिला सशक्तिकरण के लिए एक पथप्रदर्शक

- रात्रे की माउंट एवरेस्ट पर विजय पर्वतारोहण के क्षेत्र से परे भी गहरा महत्व रखती है। उनकी उपलब्धि महिलाओं की ताकत और लचीलेपन का एक

Jyoti Ratre Becomes India's Oldest Woman to Conquer Mount Everest

शक्तिशाली प्रमाण है, जो सामाजिक रूढ़िवादिता को तोड़ती है और अनगिनत अन्य लोगों को बाधाओं को तोड़ने और निडर होकर अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ने वाली सबसे उम्रदराज भारतीय महिला बनकर, रात्रे ने न केवल पर्वतारोहण के इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया है, बल्कि वह महिला सशक्तिकरण के लिए एक पथप्रदर्शक और सपने देखने की हिम्मत करने वालों के लिए आशा की किरण बनकर उभरी हैं।

प्रतिकूल परिस्थितियों पर काबू पाना

- माउंट एवरेस्ट के शिखर तक रात्रे की यात्रा प्रतिकूलताओं और चुनौतियों से रहित नहीं थी। कठोर मौसम की स्थिति का सामना करने से लेकर कठिन इलाके में नेविगेट करने तक, उनके अटूट दृढ़ संकल्प और मानसिक दृढ़ता ने उनकी अंतिम सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाधाओं को दूर करने और कठिन चुनौतियों का सामना करने में दृढ़ रहने की उनकी क्षमता जुनून और अडिग भावना से प्रेरित होने पर महानता हासिल करने की मानवीय क्षमता की एक शक्तिशाली अनुस्मारक के रूप में कार्य करती है।

एक राष्ट्र को प्रेरणा देना

- जैसे ही रात्रे की उल्लेखनीय उपलब्धि की खबर पूरे देश में फैली, उनकी कहानी उम्र और लिंग की सीमाओं को पार करते हुए अनगिनत व्यक्तियों तक पहुंच गई है। उनकी जीत ने गर्व और प्रेरणा की भावना जगा दी है, देश को उन अविश्वसनीय उपलब्धियों की याद दिला दी है जिन्हें केवल धैर्य, दृढ़ संकल्प और खुद पर अटूट विश्वास के माध्यम से पूरा किया जा सकता है।
- ज्योति रात्रे का माउंट एवरेस्ट के शिखर पर चढ़ना मानव आत्मा की शक्ति का एक प्रमाण है और हम में से प्रत्येक के भीतर निहित असीमित क्षमता का उत्सव है। उनकी उल्लेखनीय यात्रा प्रेरणा की किरण के रूप में कार्य करती है, जो जीवन के सभी क्षेत्रों के व्यक्तियों को अपने सपनों को आगे बढ़ाने, चुनौतियों को स्वीकार करने और उम्र या सामाजिक मानदंडों को अपनी आकांक्षाओं की सीमाओं को परिभाषित करने की अनुमति नहीं देने के लिए प्रोत्साहित करती है।

2023-24 में शीर्ष भागीदारों के साथ भारत का व्यापार घाटा

- आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत को अपने शीर्ष दस व्यापारिक भागीदारों में से नौ के साथ व्यापार घाटे का सामना करना पड़ा। विशेष रूप से, चीन संयुक्त राज्य अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए भारत के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदार के रूप में उभरा, जिसका कुल द्विपक्षीय व्यापार 118.4 बिलियन डॉलर था।

व्यापार घाटे का विवरण

- भारत ने पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में चीन, रूस, कोरिया और हांगकांग के साथ व्यापार घाटे में वृद्धि का अनुभव किया।
- 2023-24 में चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 85 अरब डॉलर, रूस के साथ 57.2 अरब डॉलर, कोरिया के साथ 14.71 अरब डॉलर और हांगकांग के साथ 12.2 अरब डॉलर हो गया।

व्यापार अधिशेष और मुक्त व्यापार समझौते

- भारत ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ $36.74 बिलियन का व्यापार अधिशेष बनाए रखा, जो उन कुछ देशों में से एक है जहां भारत के पास इतना अधिशेष है।
- विशेष रूप से, भारत ने अपने चार शीर्ष व्यापारिक साझेदारों: सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात, कोरिया और इंडोनेशिया (एशियाई ब्लॉक के हिस्से के रूप में) के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं।

समग्र व्यापार घाटे के रुझान

हालाँकि व्यापार घाटा स्वाभाविक रूप से नकारात्मक नहीं है, लेकिन बढ़ता समग्र घाटा अर्थव्यवस्था के लिए चुनौतियाँ पैदा करता है।

- घाटे से मुद्रा का अवमूल्यन हो सकता है, आयात अधिक महंगा हो सकता है और व्यापार असंतुलन बढ़ सकता है।

- घाटे को संबोधित करने के लिए निर्यात को बढ़ावा देने, अनावश्यक आयात पर अंकुश लगाने, घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने और मुद्रा और ऋण स्तर को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने जैसी रणनीतियों की आवश्यकता है।

विशेषज्ञ अंतर्दृष्टि

- ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव आर्थिक अस्थिरता को रोकने के लिए व्यापार घाटे को कम करने के महत्व पर जोर देते हैं। उन्होंने विदेशी आपूर्ति पर बढ़ती निर्भरता से जुड़े जोखिमों और मुद्रा मूल्यह्रास, बाहरी ऋण और निवेशकों के विश्वास पर ऊंचे घाटे के संभावित परिणामों पर प्रकाश डाला।

लिथुआनिया के राष्ट्रपति गितानस नौसेदा ने भूस्खलन पुनर्निर्वाचन में जीत हासिल की

- एक शानदार जीत में, लिथुआनियाई राष्ट्रपति गितानस नौसेदा ने प्रधान मंत्री इंग्रिडा सिमोनिटे पर विजय प्राप्त करते हुए दूसरा कार्यकाल हासिल किया है। प्रारंभिक परिणामों से संकेत मिलता है कि 74.5% वोटों के साथ नौसेदा की मजबूत बढ़त है, उनका पुनर्निर्वाचन उनके उदारवादी रूढ़िवादी रुख और यूक्रेन के लिए अटूट वकालत के लिए व्यापक समर्थन को रेखांकित करता है।

नौसैदा का पुनर्निर्वाचन: एक भूस्खलन विजय

- लिथुआनिया के केंद्रीय चुनाव आयोग के प्रारंभिक आंकड़ों से पता चलता है कि नौसेदा ने 74.5% वोट हासिल करके जबरदस्त जीत हासिल की, जबकि प्रधान मंत्री सिमोनिटे 24.1% के साथ पीछे रहे।

यूक्रेन के लिए निरंतर समर्थन और अधिनायकवाद के ख़िलाफ़ अवज्ञा

- अपने पूरे कार्यकाल के दौरान, राष्ट्रपति नौसेदा यूक्रेन के कट्टर समर्थक बने रहे, यह रुख लिथुआनिया के राजनीतिक स्पेक्ट्रम में प्रतिध्वनित हुआ। पड़ोसी बेलारूस और रूस में क्षेत्रीय तनाव और सत्तावादी कार्रवाई के बीच, नौसेदा के प्रशासन ने लिथुआनिया की स्वतंत्रता और आजादी की सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए, उत्पीड़न से भागने वालों को शरण प्रदान की है।

क्षेत्रीय गतिशीलता के बीच सामरिक महत्व

- नाटो के पूर्वी तट पर स्थित, लिथुआनिया की अध्यक्षता रूस और पश्चिम के बीच बढ़ते तनाव के बीच महत्वपूर्ण महत्व रखती है, खासकर यूक्रेन में चल रहे

संघर्ष के बीच। सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर के रूप में उनकी भूमिका के साथ-साथ विदेश और रक्षा नीति की देखरेख में नौसेदा का नेतृत्व, बाल्टिक क्षेत्र में लिथुआनिया के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करता है।

पुनर्निर्वाचन का मार्ग और भविष्य का दृष्टिकोण

- 2019 में अपनी सफल राष्ट्रपति पद की दावेदारी के माध्यम से राजनीति में प्रवेश करने के बाद, नौसेदा की जीत उनके कार्यकाल की निरंतरता का प्रतीक है, जो उनके नेतृत्व में जनता के विश्वास की पुष्टि करती है। जैसा कि वह अपने दूसरे कार्यकाल को शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं, नौसेदा का ध्यान लिथुआनिया की संप्रभुता को बनाए रखने और प्रमुख साझेदारों के साथ गठबंधन को बढ़ावा देने पर सर्वोपरि है।

दक्षिण अफ्रीकी नियामक ने एसबीआई की दक्षिण अफ्रीका शाखा पर जुर्माना लगाया

- दक्षिण अफ्रीकी रिजर्व बैंक के प्रूडेंशियल अथॉरिटी ने देश के वित्तीय खुफिया केंद्र अधिनियम 38, 2001 के कुछ प्रावधानों का अनुपालन न करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक की दक्षिण अफ्रीका शाखा पर 10 मिलियन रैंड (₹4.5 करोड़) का वित्तीय जुर्माना लगाया है। एफआईसी अधिनियम)। जुर्माने में 5.50 मिलियन रैंड का तत्काल देय हिस्सा शामिल है, जिसका पहले ही भुगतान किया जा चुका है, और 4.50 मिलियन रैंड की निलंबित राशि शामिल है, जो 36 महीनों के भीतर अनुपालन पर निर्भर है।
- बैंक ऑफ बड़ौदा अनुपालन जांच में सहयोग कर रहा है

दक्षिण अफ्रीकी रिज़र्व बैंक द्वारा जांच

- बैंक ऑफ बड़ौदा वर्तमान में दक्षिण अफ्रीका में अपनी शाखा में कथित अनुपालन त्रुटियों के लिए दक्षिण अफ्रीकी रिजर्व बैंक द्वारा जांच के दायरे में है। बैंक जांच में सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है।

प्रकटीकरण और अनुपालन उपाय

- बैंक ऑफ बड़ौदा ने सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 30 के तहत सभी आवश्यक खुलासे किए हैं। इसने अपनी अनुपालन प्रक्रियाओं में भी सुधार किया है और नियामक अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए केवाईसी/एएमएल प्रक्रियाओं को बढ़ाने के लिए सुधारात्मक उपायों को लागू किया है।

चल रही कानूनी कार्यवाही

- जांच से संबंधित कुछ मामले न्यायालय में विचाराधीन हैं, जिनमें 50 मिलियन रुपये के बराबर जुर्माने के खिलाफ बैंक ऑफ बड़ौदा की अपील भी शामिल है। बैंक आश्वासन देता है कि वह इन जांचों से उत्पन्न होने वाले किसी भी महत्वपूर्ण घटनाक्रम के बारे में स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित रखेगा।

बाज़ार की प्रतिक्रिया

- इस खबर के बाद मंगलवार को बीएसई पर बैंक ऑफ बड़ौदा का शेयर 1.97 फीसदी गिरकर 154.40 रुपये पर बंद हुआ।